हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2026

13 शबरी मिलन व सुग्रीव से मित्रता के बाद श्रीराम ने किया बाली का वध



14 महेंद्रगढ़ में 5 करोड़ की लागत से बनेगा...



### आबादी और मंदिर से दूरी के मानकों पर खरी नहीं उतरती दौंखेरा माइंस

# दौंखेरा में पहाड़ पर अवैध खनन और लीज एनओसी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोप, सोमवार को डीसी कार्यालय पर देंगे धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

दौंखेरा गांव में प्रस्तावित माइंस को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए एनओसी जारी करने की प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। कहा जा रहा है कि सरकार द्वारा निर्धारित मंदिर, आबादी, स्कूल, अरावली क्षेत्र और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों से दूरी के मानकों की पालना नहीं हुई। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों की बैठक हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि सोमवार को जिला उपायुक्त कार्यालय पर धरना देंगे।

- पारदर्शिता से पैमाइश करवाकर पर्यावरण व ग्रामीणों की सुरक्षा की लगाई गुहार

इस संबंध में ग्रामीण कालू बटार ने बताया कि ऑक्शन से पहले लीज के मानकों का आकलन करना जरूरी है। नजदीक मंदिर, आवासीय मकान या अरावली जोन स्थापित होने पर लीज अलॉट आवेदन कैंसिल करने का प्रावधान है। दौंखेरा पहाड़ के पास मंदिर तथा आवासीय मकान हैं, जहां रोजाना ग्रामीणों का आवागमन रहता है। बावजूद विभाग ने आवेदक को एनओसी दे दी, जिसके आधार पर लीज अलॉटमेंट किया गया है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पैमाइश कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है।



नांगल चौधरी। पहाड़ की तलहटी पर खनन करके हरे पेड़ों को नुकसान पहुंचाते माइंस के कारिंदे। फोटो : हरिभूमि

### ग्रामीणों को जानलेवा खतरा

पूर्व सरपंच लालचंद, महावीर व बलाराम ने बताया कि पहाड़ पर अवैध खनन होने की शिकायत, बीडीपीओ, तहसीलदार तथा एसडीएम को सौंप चुके। बावजूद माइंस संचालक धड़ल्ले से मिट्टी खनन करके पंचायती रकबे को नुकसान पहुंचा रहा है। खदान में हैवी ब्लास्टिंग होने की स्थिति में ग्रामीणों को जानलेवा खतरा बढ़ जाएगा। भयभीत ग्रामीणों ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय पर धरना देने का निर्णय लिया है।

### आवश्यक एनओसी की प्रस्तुति पर माइंस हुई है अलॉट

जिला माइंस अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दौंखेरा पहाड़ पर लीज होल्डर द्वारा विभिन्न विभागों की एनओसी प्रस्तुत करके ही लीज ऑक्शन कराया है। आबादी या अन्य सार्वजनिक संपत्ति के मापदंड तो लीज अलॉट से पहले ही जांचे जाते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत पर माइंस का निरीक्षण किया गया है। जहां सभी मानक सही पाए हैं।



नांगल चौधरी। पचायती रकबे पर अवैध खनन की मिट्टी डालते माईंस संचालक।

### जेडी माइंस की शिकायत सीएम विंडो पर, सालों से अटकी कार्रवाई

उन्होंने बताया कि आठ-नौ साल पहले जेडी माइंस ने पहाड़ पर खनन किया है। तत्कालीन संचालक ने पहाड़ के साथ पंचायती रकबे पर पत्थर निकाला है। जिसके खिलाफ सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज है, लेकिन मिलीभगत तथा भ्रष्टाचार के दबाव में जांच रिपोर्ट अटकी हुई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और विभाग ग्रामीणों की समस्या सुनने को तैयार नहीं।

### मकानों में दरारें आने, पत्थर उड़ने और धूल-मिट्टी फैलने का खतरा

ग्रामीणों ने कहा कि पहाड़ पर खनन गतिविधियां शुरू होने से लोगों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है। ब्लास्टिंग होने की स्थिति में मकानों में दरारें आने, पत्थर उड़ने और धूल-मिट्टी फैलने का खतरा रहेगा। वहीं, भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। खनन से उठने वाली धूल हवा की गुणवत्ता प्रभावित करने के साथ ग्रामीणों और पशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि पहाड़ की तलहटी में लगे छायादार पौधों को रातोंरात उखाड़ दिया गया, जिससे मिट्टी का कटाव बढ़ने और स्थानीय पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रदूषण नियंत्रण, मजदूरों की सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य है। बीते करीब एक महीने से माइंस संचालक तेजी से मिट्टी उठाने और रास्ता निर्माण का कार्य कर रहा है। पंचायत के रकबे पर भी अवैध खनन की गतिविधियां हो रही हैं। बचाव के लिए खनन और संबंधित विभागों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर मंदिर, आबादी, स्कूल और पंचायत भूमि की पैमाइश करे। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा और पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सके।

## खबर संक्षेप

### जोगी समाज की बैठक आज

**नारनौल।** शहर में कैलाश नगर स्थित गुरु गोरखनाथ मंदिर में जोगी नाथ उत्थान संगठन की बैठक 18 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी। इसकी अध्यक्षता प्रधान प्यारेलाल करेंगे। इस संबंध में संस्था सचिव नरेंद्र बड़कोदा ने बताया कि संगठन की समस्त कार्यकारिणी, पदाधिकारियों एवं सदस्यों इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक में छात्रावास निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत/प्राप्त पांच लाख रुपये की ग्रांट के संबंध में समीक्षा एवं विचार-विमर्श किया जाएगा।

### 25 अक्टूबर को होगी आम सभा

**नारनौल।** हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की आम सभा की बैठक 25 अक्टूबर को सुबह 10 बजे मालवीर नगर स्थित आंबेडकर भवन में होगी। संघ के महासचिव रामकिशन मरोडिया ने बताया कि आम सभा मे उपस्थित सदन के सम्मुख संघ द्वारा की गई इस वर्ष की तमाम आर्थिक,सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा। बैठक में संघ द्वारा प्राप्त की गई इंफ्रास्ट्रेक्चर व सामाजिक रूप से प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों के साथ-साथ आगामी लंबित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा और साथ ही आम सभा के अवसर पर विभिन्न प्रकार की उच्च परीक्षाओं जैसे नेट, जेई, नीट, यूपीएससी आदि परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभागियों को भी संघ द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

### एसएनसीयू को मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट में किया गया परिवर्तित

# मां से अलग नहीं रहेंगे बीमार नवजात नागरिक अस्पताल में शुरू एमएनसीयू

- छह नवजातों के साथ छह माताओं के रहने की व्यवस्था-मां का दूध और देखभाल दोनों एक ही जगह

राजकुमार ⏭ नारनौल

नागरिक अस्पताल में नवजात शिशुओं की देखभाल की व्यवस्था को और बेहतर करते हुए स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) को अब मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) में परिवर्तित कर दिया गया है। एमएनसीयू यानी मां एवं नवजात शिशु देखभाल इकाई में बीमार, कमजोर, कम वजन या समय से पहले जन्मे बच्चों के उपचार के साथ उनकी माताओं को भी बच्चे के पास रहने की सुविधा मिलेगी। अस्पताल में छह नवजातों के लिए छह बिस्तरों की व्यवस्था है और उनके साथ छह माताएं भी रह सकेंगी।

बता दें कि अब तक एसएनसीयू में भर्ती नवजातों की माताएं अलग जच्चा-बच्चा वार्ड गायिनी में रहती थीं। बच्चे को मां का दूध पिलाने की जरूरत होने पर मां को वहां से एसएनसीयू में लाया जाता था। नई व्यवस्था में मां और बच्चे को अलग-अलग रखने की जरूरत काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। मां बच्चे के पास रहकर चिकित्सकीय निगरानी में उसे स्तनपान करा सकेगी तथा नवजात की देखभाल में भी भागीदार बनेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमएनसीयू व्यवस्था का मूल उद्देश्य भी मां और नवजात को अलग न रखना है।




नारनौल। नागरिक अस्पताल में बना एमएनसीयू वार्ड। फोटो : हरिभूमि

### संक्रमण से बचाव के लिए नियंत्रित प्रवेश

नवजातों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण एमएनसीयू में संक्रमण नियंत्रण पर विशेष जोर रहता है। इस यूनिट में प्रवेश नियंत्रित रखा जाता है तथा हाथों की स्वच्छता और आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। राष्ट्रीय गाइडलाइन में भी एमएनसीयू के प्रवेश पर हाथ धोने और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था तथा नियंत्रित वातावरण का प्रावधान किया गया है। एमएनसीयू में चिकित्सकों और स्टाफ की निगरानी में बच्चों का उपचार किया जाएगा। वार्ड का संचालन बच्चों के विशेषज्ञ चिकित्सक डा. उपदेश यादव की देखरेख में किया जा रहा है। आमजन का वार्ड में प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया है, ताकि नवजातों को संक्रमण के संभावित खतरे से बचाया जा सके।

### एमएनसीयू की खासियत

एमएनसीयू की खासियत यह है कि नवजात की चिकित्सा देखभाल के साथ मां के लिए भी बिस्तर, भोजन, स्वच्छता और आवश्यक सहयोग की व्यवस्था की जाती है।

मां बच्चे के पास रहकर चिकित्सकों और स्टाफ की निगरानी में स्तनपान तथा देखभाल कर सकती है। कम वजन वाले बच्चों के लिए कंगारू मदर केयर यानी त्वचा से त्वचा का संपर्क और मां का दूध भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

एमएनसीयू व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह है कि बच्चे को मां के दूध के लिए बार-बार दूसरे वार्ड से मां को बुलाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मां बच्चे के पास रहकर चिकित्सकीय सलाह के अनुसार स्तनपान करा सकेगी। इसके साथ ही मां को बच्चे की स्थिति, स्वच्छता, स्तनपान और देखभाल से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी जा सकेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की गाइडलाइन में मां को केवल आगंतुक नहीं, बल्कि नवजात की देखभाल में सक्रिय भागीदार माना गया है।

### समय से पहले जन्मे बच्चों के लिए अहम व्यवस्था

अस्पताल में एसएनसीयू की सुविधा उन नवजातों के लिए होती है, जिन्हें जन्म के बाद विशेष चिकित्सकीय निगरानी और उपचार की आवश्यकता होती है। इनमें कम वजन वाले, समय से पहले जन्मे तथा किसी बीमारी या अन्य चिकित्सकीय परेशानी से जूझ रहे नवजात शामिल हो सकते हैं। ऐसे बच्चों को उनकी स्थिति के अनुसार रेडिएंट वार्मर, ऑक्सीजन सहित आवश्यक नवजात देखभाल और लगातार निगरानी की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि प्रत्येक बच्चे को मशीन में रखना जरूरी नहीं होती, बल्कि उपचार की आवश्यकता बच्चे की चिकित्सकीय स्थिति के आधार पर तय की जाती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की गाइडलाइन में एसएनसीयू को छोटे और बीमार नवजातों के लिए 24 घंटे विशेष देखभाल वाली इकाई के रूप में परिभाषित किया गया है।

### यह कहते हैं चिकित्साधिकारी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. विजय सिंह डबास ने बताया कि एमएनसीयू वार्ड संचालित कर दिया गया है तथा इसकी सेवाएं बच्चों को मिल रही हैं। इस व्यवस्था में नवजात बच्चों की देखभाल के साथ उनकी माताओं को भी बच्चे के पास रहने की सुविधा उपलब्ध होगी।



मंडी अटेली। जेई को ज्ञापन सौंपते हुए तोबड़ा के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

# तोबड़ा में 40 घंटे से बिजली गुल, जेई को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव तोबड़ा में पिछले करीब 40 घंटे से बिजली सप्लाई बंद होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से गांव में पेयजल व्यवस्था सहित रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

समस्या से परेशान ग्रामीणों ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के जेई को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द बिजली सप्लाई बहाल करने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण उन्हें विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिजली नहीं होने से पेयजल की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने बिजली निगम के अधिकारियों से समस्या का जल्द समाधान करवाने की मांग की, ताकि उन्हें राहत मिल सके। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि धीरज, मंजीत कुमार, ओमवीर सिंह, रामजीलाल, राजेंद्र कुमार, सुनील पंच, जतिन आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

# मांदी गांव में चोरी की वारदात, किसानों में रोष

**नारनौल।** क्षेत्र के मांदी गांव में चोरी की लगातार हो रही घटनाओं से किसान परेशान हैं। गांव में किसानों के ट्यूबवेलों से केबल चोरी होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब चोर खेतों में लगी कांटेदार तार और लोहे की जाल भी चोरी कर ले गए। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार चोर किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर रहे हैं। ट्यूबवेलों से केबल के अलावा पंपसेट, नोजल और अन्य जरूरी सामान भी चोरी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने मौके पर चोरों को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया था। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की और न ही एफआईआर दर्ज की गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो चोरी की घटनाओं पर रोक लग सकती थी। नवीन यादव पुत्र होशियार सिंह और लोकेश यादव पुत्र रामकिशन सहित ग्रामीणों ने चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई है।



कनीना। मंडी कनीना में बाजरे से लदे वाहनों की कतार का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

# कनीना मंडी में बाजरे की बंपर आवक के चलते नहीं टूट रही वाहनों की कतार

- अब तक 160978 क्विंटल बाजरे की हो चुकी खरीद

**कनीना।** कनीना की नई अनाज मंडी में बाजरे की बंपर आवक के चलते बाजरे से लदे वाहनों की लंबी कतार कम होने का नाम नहीं ले रही है। मंडी में व्यवस्था बनाने तथा मानक अनुरूप खरीद करने के लिए अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। खरीद कार्य में धांधली बरते जाने की संभावना के चलते शुक्रवार को मार्केटिंग बोर्ड के मुख्य प्रशासक की तीन सदस्य टीम ने जांच की वहीं शनिवार को जेडएमइओ ने भी दौरा किया। सीए की तीन सदस्यीय टीम में जींद जिले के डीएमईओ श्रीभगवान मुदगिल, लेखाकार सुरेंद्र पूनिया व मंडी सुपरवाइजर जयभगवान शामिल थे। जिन्होंने बाजरे की आवक, खरीद अधिक एवं स्टॉक कम पाए जाने तथा गेटपास के रिकार्ड का अवलोकन किया। कुछ हद तक खामी मिलने पर टीम ने इसकी रिपोर्ट सीए के सामने प्रस्तुत करने की बात कही। किसानों ने वाहनों की कतार कम करने के मकसद से उनके सामने मंडी में लगे दूसरे धर्म कांटे को ठीक कराने की बात कही। धर्म कांटा खराब होने से एक ही कांटे पर भरे एवं खाली वाहनों का वजन किया जा रहा है जिससे अतिरिक्त समय लग रहा है।

### क्या कहते हैं सचिव

मार्केट कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने बताया कि शनिवार को दोपहर तक 282 गेट पास जारी किए जा चुके थे वहीं 7173 क्विंटल बाजरे की खरीद गई थी। उन्होंने बताया कि शनिवार तक प्राइवेट एजेंटों द्वारा 2300 से 2350 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 160978 क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। किसानों की सुविधा के लिए मंडी में बिजली,पानी तथा साफ-सफाई की व्यवस्था की गई है।

### क्या कहते हैं प्रतिनिधि

मार्केट कमेटी के चेयरमैन जेपी यादव कोटिया एवं वाइस चेयरमैन दीपक गुप्ता ने बताया कि बाजरे की खरीद को त्वरित एवं सुचारू करने के लिए खरीद कार्य में तेजी लाई जा रही है। मंडी में खराब हुए धर्मकांटे को शीघ्र ही ठीक कराया जाएगा। इस बारे में एक्सईएन को सूचित कर दिया गया है।

### अटेली मंडी में बाजरा खरीद का नया रोस्टर जारी

**मंडी अटेली।** नई अनाज मंडी अटेली में बाजरे की सरकारी खरीद सुचारू रूप से करवाने के लिए मार्केट कमेटी ने दूसरा गांव वाइज रोस्टर जारी किया है। इसके तहत 19 से 24 अक्टूबर तक अलग-अलग गांवों के किसानों की बाजरे की फसल निर्धारित तिथियों के अनुसार खरीदी जाएगी। बाजरे की सरकारी खरीद 15 नवंबर तक जारी रहेगी। अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने बताया कि किसानों का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। खरीद का समय सुबह आठ बजे से सायं पांच बजे तक निर्धारित किया गया है। मार्केट कमेटी की ओर से जारी रोस्टर के अनुसार 19 अक्टूबर को छापड़ा सलीमपुर, बजाड़, नावदी और कारिया गांवों के किसानों की बाजरे की खरीद होगी। 20 अक्टूबर को मिर्जापुर, बाछौद, धनौंदा, महासर और नांगल गांवों के किसान बाजरा लेकर मंडी पहुंचेंगे। इसी प्रकार 21 अक्टूबर को सैदपुर, सारी बहादुर, कुंजपुरा, श्यामपुरा और गणियार गांवों के किसानों की फसल खरीदी जाएगी। 22 अक्टूबर को मोहल्ड़ा, कांटी, उनिन्दा, बेगपुर और पृथ्वीपुरा गांवों की बारी रहेगी। 23 अक्टूबर को खेड़ी, सुजापुर, गढ़ी, राजपुरा और गुवानी तथा 24 अक्टूबर को रामपुरा, बौचड़िया, राता कलां, राता खुर्द और कलवाड़ी गांवों के किसानों की बाजरे की खरीद की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे निर्धारित रोस्टर के अनुसार ही अपनी फसल मंडी में लेकर आएं। गेट पास बनवाने के लिए किसान अपने वाहन पर नंबर प्लेट अवश्य लगाकर लाएं।

### नारनौल मंडी में बाजरे की रिकॉर्ड आवक 20 हजार क्विंटल से अधिक पहुंचा

**नारनौल।** नांगल चौधरी रोड स्थित जल महल के समीप अनाज मंडी में शनिवार को बाजरे की रिकॉर्ड आवक हुई। एक ही दिन में 800 से अधिक किसान बाजरा लेकर मंडी पहुंचे। 20 हजार क्विंटल से अधिक बाजरे की आवक होने के कारण किसानों को गेटपास बनवाने के लिए शाम तक कतारों में इंतजार करना पड़ा। इस सीजन में शनिवार को मंडी में अब तक की सर्वाधिक आवक दर्ज की गई। किसान सुबह से ही ट्रैक्टर-ट्रालियों और अन्य वाहनों में बाजरा लेकर मंडी पहुंचने लगे थे। मंडी के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मंडी कर्मचारियों ने वाहनों के नंबरों की जांच की और किसानों की फोटो लेकर ई-खरीद पोर्टल पर अपलोड की। इसके बाद गेटपास जारी किए गए। किसानों की भीड़ को देखते हुए गेटपास बनाने का काम दोहरी व्यवस्था के तहत किया गया, ताकि प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। बाजरा बेचने में परेशानी आने पर किसान मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव और कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव नुकुल यादव से मिलकर अपनी समस्या रख रहे हैं। अधिकारियों के निर्देश पर कर्मचारियों के माध्यम से समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है। जिन वाहनों पर नंबर अंकित नहीं हैं, उनके किसानों को गेटपास बनवाने में अतिरिक्त भागदौड़ करनी पड़ रही है।

डेढ़ लाख क्विंटल के करीब पहुंची आवक

मंडी में अब तक करीब डेढ़ लाख क्विंटल बाजरे की आवक हो चुकी है। शनिवार को व्यापारियों ने बाजरा 2300 से 2456 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीदा।

### नारनौल नई अनाज मंडी में बाजरे की खरीद के लिए संशोधित शेड्यूल जारी

**नारनौल।** खरीफ सीजन की खरीद को सुचारू रूप से चलाने के लिए नई अनाज मंडी नारनौल में 19 से 24 अक्टूबर तक बाजरे की खरीद प्रक्रिया के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी मार्केट कमेटी नुकुल यादव ने बताया कि बाजार की खरीद को सुचारू रूप से चलाने के लिए गांवों के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। बदलाव किए गए शेड्यूल के अनुसार 19 अक्टूबर को दौचाना (जो पहले शेड्यूल में नहीं जोड़ा गया था), खत्रीपुर, खोडमा, किरारोद अफगान तथा कोजिदां के किसानों की फसल की खरीद की जाएगी। 20 अक्टूबर को कुलताजपुर, कुतबापुर, लहरोदा एवं लुतफपुर, 21 अक्टूबर को महरमपुर, मकसूसपुर, मंढाणा, मंडलाना, मारोली, 22 अक्टूबर को मेई, मीरपुर, मित्रपुरा, मोहम्मदपुर हमीदखां एवं मुकन्दपुरा गांवों के किसानों की बाजरा खरीद की जाएगी। 23 अक्टूबर को मुरारीपुर, नांगल काठा, नांगल शालु, नांगतिहाडी, नारनौल तथा 24 अक्टूबर को नसीबपुर, निवाजनगर, नुनी अव्वल, नुनी कलां एवं पटीकरा गांवों के किसानों की फसल की खरीद की जाएगी। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि वे व्यवस्था को बनाए रखने और प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए निर्धारित संशोधित शेड्यूल एवं गांवों की सूची के अनुसार ही अपनी फसल मंडी में लेकर आएं।

### डॉ. सुधा यादव से लंबे समय से जुड़े रहे हैं हर्षित दहिया, नियुक्ति से क्षेत्र में खुशी की लहर

# नांगल काठा के हर्षित दहिया बने कर्नाटक राज्यपाल डॉ. सुधा यादव के ओएसडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के गांव नांगल काठा निवासी हर्षित दहिया एडवोकेट को कर्नाटक के राज्यपाल का ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से नांगल काठा गांव सहित पूरे महेंद्रगढ़ क्षेत्र में खुशी की लहर है। क्षेत्र के लोगों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए हर्षित दहिया को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि हर्षित दहिया लंबे समय से भाजपा की वरिष्ठ नेता डॉ. सुधा यादव से जुड़े हुए हैं। उनके सार्वजनिक जीवन की यात्रा में डॉ. सुधा यादव का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा है। इस दौरान उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों को करीब से समझने का अवसर मिला।



नारनौल। राज्यपाल डा. सुधा यादव के साथ हर्षित दहिया। फोटो : हरिभूमि

### सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण पड़ाव

कर्नाटक के राज्यपाल के ओएसडी के रूप में नियुक्ति को हर्षित दहिया के सार्वजनिक जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। राज्यपाल का कार्यालय संवैधानिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है और इससे जुड़ी जिम्मेदारियां विशेष महत्व रखती हैं। ऐसे में उनकी शैक्षणिक योग्यता, संगठनात्मक अनुभव और सार्वजनिक जीवन से जुड़ाव नई भूमिका में उपयोगी साबित हो सकते हैं। गांव नांगल काठा से निकलकर दिल्ली विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अब राज्यपाल के कार्यालय में महत्वपूर्ण दायित्व मिलने तक का उनका सफर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। हर्षित दहिया की नियुक्ति पर क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और परिचितों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। लोगों ने उम्मीद जताई कि वे अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करेंगे तथा अपने कार्यों से क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

### दिल्ली विश्वविद्यालय से की एलएलबी व एलएलएम की पढ़ाई

हर्षित दहिया ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी और एलएलएम की डिग्री हासिल की है। कानून की शिक्षा के माध्यम से उन्हें संवैधानिक व्यवस्था, विधिक विषयों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिला। इसके अलावा छात्र जीवन के दौरान वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से भी जुड़े रहे। छात्र जीवन में संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़े रहने के अनुभव ने उनके सार्वजनिक जीवन की समझ को विकसित करने में भूमिका निभाई।

# बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

## 1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

## 2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

## 3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

## 4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

## 5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

## एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

# त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

**नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक**

**लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी**

**मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच**

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

## नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



## खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

## बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

## कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

## घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।




# एसआईपी पर भरोसा बरकरार

**सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा**

तैयारी

बिजनेस डेस्क

***स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी***

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

**फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा**

## निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

## ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

## फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

## कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

## जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

# बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

**एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता**

**बिजनेस डेस्क।** शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



**स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें :** लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

**विविधीकरण से संभालें जोखिम :** फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

**40:60 की रणनीति अपना सकते हैं :** यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

**निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन**

# दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

**तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ**




त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

## तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

## मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

## उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

## घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

## निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

*उन्नत बीज, मिश्रित खेती व प्रोत्साहन पर रहेगा फोकस*

# नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड्स से मकसद जिले में तिलहन और दलहन फसलों का बढ़े रकबा

■ आत्मनिर्भर भारत तथा नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड्स की समीक्षा, एडीसी ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कृषि विभाग किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड्स (राष्ट्रीय तिलहन मिशन) के तहत अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में दो विशेष समीक्षा बैठकें आयोजित हुईं। बैठकों में योजनाओं की प्रगति परखी गई और संबंधित विभागों को जिम्मेदारी तय करते हुए जरूरी निर्देश दिए गए। बैठकों में उप कृषि निदेशक डॉ. नेहा, जिला बागवानी अधिकारी प्रेम यादव, हैफेड के जिला प्रबंधक प्रवीण कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ समन्वयक नरेश यादव, सिंचाई विभाग के एसडीओ, वीसीपी तथा जिले के अनेक प्रगतिशील किसान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। एडीसी तरुण कुमार पावरिया ने कहा कि नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड्स का मुख्य उद्देश्य जिले में तिलहन और दलहन फसलों का रकबा बढ़ाना और किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की इन सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे गरीब और लक्षित क्षेत्रों के किसानों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाया जाए।

## कृषि विभाग को निर्देश

मिशन और कृषि विभाग के संदर्भ में एडीसी ने उप कृषि निदेशक डॉ. नेहा और कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ समन्वयक नरेश यादव को निर्देश दिए कि किसानों को एसएमएल-621 और एमएच-421 जैसे उन्नत किस्म के बीज समय पर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने जिला स्तर पर फेस्टिवल, एक्सपोजर विजिट और ट्रेनिंग के जरिए किसानों में दलहन और तिलहन फसलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। सरसों की खेती में सल्फर और जिंक के महत्व को समझाने के लिए ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही दलहन उत्पादक किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष इंसेंटिव देने, किसानों की सुविधा के लिए नजदीकी क्षेत्रों में 'इनपुट एवं सजेशन पॉइंट' बनाने और मिलिंग प्रक्रिया की कठिनाइयां दूर करने की बात कही गई। जिप्सम की सब्सिडी और उपलब्धता को लेकर कार्यालय स्तर पर बेहतर तालमेल बनाने के निर्देश भी जारी किए गए।

### मिश्रित खेती से बढ़ेगी आमदनी

मिश्रित खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला बागवानी अधिकारी प्रेम यादव को विशेष निर्देश दिए गए कि वे फलदार पौधों और फसलों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ बागों की खाली जमीन में दलहन फसलों की बिजाई के लिए भी किसानों को प्रेरित करें। एडीसी ने कहा कि इस मिश्रित खेती से जमीन की उपजाऊ शक्ति बढ़ेगी और किसानों को बागवानी के साथ-साथ दालों से भी अतिरिक्त मुनाफा मिलेगा।

### बिचौलियों को हटाकर सीधे खरीदारों से जुड़ेंगे किसान

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हैफेड, बागवानी और सिंचाई विभाग को जरूरी दिशा-निर्देश देते हुए एडीसी ने कहा कि शहरों और कस्बों में बिचौलियों को हटाकर सीधे खरीदारों की पहचान की जाए, ताकि नारनौल के किसानों को उनकी उपज का बेहतर और सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसानों को अलग पहचान दी जाएगी। हैफेड के जिला प्रबंधक प्रवीण कुमार को निर्देश दिए गए कि बीजों की खरीद और किसानों की उपज की बिक्री के लिए मंडियों में सुविधाएं बढ़ाई जाएं तथा किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए।



## सीनियर विंग में अंग्रेजी ग्रामर प्रश्नोत्तरी स्पर्धा

**महेंद्रगढ़।** मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल चामधेड़ा रोड के प्रांगण में सीनियर विंग के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी ग्रामर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में चारों हाउस की कुल 12 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन चेयरमैन सतन सिंह एवं प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, ज्ञान और अंग्रेजी व्याकरण पर पकड़ का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के ज्ञान को परखने के लिए प्रतियोगिता पांच राउंड में आयोजित की गई। सभी टीमों ने प्रश्नों के उत्तर देने में उत्साह दिखाया और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए भरपूर प्रयास किया। प्रतियोगिता में प्रेरणा, दीपक, जतिन तथा हिमांशी की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर कुल 85 अंक प्राप्त किए और प्रथम, खुशी, समीर, सुहाना एवं परी की टीम ने 80 अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा पलक, चारू, जतिन एवं इशिका की टीम ने 75 अंक हासिल कर तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में स्कोरर की भूमिका ज्योति ने निभाई। कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेजी प्रवक्ता मान सिंह एवं जगबीर सिंह लांबा के नेतृत्व में किया गया। चेयरमैन सतनसिंह ने इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में अंग्रेजी व्याकरण के प्रति रुचि विकसित करना, भाषा संबंधी ज्ञान को मजबूत बनाना तथा उनमें आत्मविश्वास, तार्किक क्षमता और टीम भावना को बढ़ावा देना है।

## खबर संक्षेप

### 20 को निकलेगा भगवान सूर्यनारायण का डोला

**नारनौल।** दशहराव पर्व पर भगवान सूर्यनारायण देवता का डोला निकलेगा। इस संबंध में चंद्रस्वरूप शर्मा एवं हितेंद्र कुमार बोहरा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी मौहल्ला धौलियान स्थित भगवान श्री सूर्यनारायण मंदिर से दशहरा पर्व पर 20 अक्टूबर को डोले की शोभा यात्रा निकाली जाएगी। यह शोभा यात्रा मंदिर से आरम्भ होकर धोलिया की सिल्ली, बजाजा बाजार, गांधी बाजार, आजाद चौक, गौड़ ब्राह्मण सभा, पानी की टंकी, मेहता चौक, पुरानी मंडी होती हुई रावण दहन स्थल पर शाम छह बजे पहुंचेगी।

### राजकीय महाविद्यालय में एलुमनी मीट आज

**मंडी अटेली।** राजकीय महाविद्यालय अटेली में आज रविवार को एलुमनी मीट का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में महाविद्यालय प्रशासन की ओर से पूर्व छात्रों को आमंत्रण पत्र जारी किया गया है। राजकीय महाविद्यालय अटेली से जारी आमंत्रण में बताया गया है कि यह मीट सुबह साढ़े नौ बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगी। आमंत्रण पत्र में कहा गया है कि पूर्व छात्र संस्थान की यात्रा और विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। यह विशेष समागम अपनी शिक्षण संस्था में लौटने, पूर्व शिक्षकों और सहपाठियों से पुन जुड़ने, कॉलेज के दिनों की यादों को ताजा करने तथा अपनी उपलब्धियों व अनुभवों को साझा करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।

### श्रद्धालुओं ने माता रानी के भजनों का आनंद लिया

**नारनौल।** टाइगर क्लब परिवार की ओर से पुरानी कचहरी मैदान में आयोजित 23वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव में छठे नवरात्रे पर शुक्रवार रात भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने माता रानी के भजनों का आनंद लिया और डांडिया की धुनों पर झूम उठे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित नारायण शास्त्री एवं पंडित गगन भारद्वाज ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करवाकर तथा माता रानी की ज्योत प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ समाजसेवी सतीश शर्मा अपनी धर्मपत्नी एवं परिवार सहित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टाइगर क्लब परिवार के सदस्यों ने सतीश शर्मा एवं धर्मपत्नी को माता रानी की चुनरी पहनाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।अध्यक्षता हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य भारती सैनी ने की।

### मुख्य अध्यापक रमेश चंद यादव का निधन

**नारनौल।** यादव कल्याण सभा के सचिव सूबेदार मेजर कंवरसिंह यादव के बेटे मुख्य अध्यापक रमेश चंद यादव का निधन हो गया। उन्होंने 16 अक्टूबर को दोपहर 12:30 बजे गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका शनिवार पैतृक गांव पटीकरा में गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान विधायक एवं यादव सभा के प्रधान ओमप्रकाश यादव सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

## बाली वध की लीला देख भावविभोर हुए दर्शक, अंगद को श्रीराम के हाथों सौंपकर बाली ने त्यागे प्राण

*हनुमानजी श्रीराम और सुग्रीव की करवाते हैं मित्रता*

# शबरी मिलन व सुग्रीव से मित्रता के बाद श्रीराम ने किया बाली का वध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर की अनाज मंडी स्थित श्री कृष्णा ड्रैमेटिकल क्लब के रंगमंच पर भगवान नारायण सेवा संस्था द्वारा आयोजित भगवान श्रीराम की रामलीला के दसवें दिन शबरी मिलन, सुग्रीव मित्रता एवं बाली वध की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। मंच संचालन भारत भूषण तायल एवं रतनलाल भास्कर ने किया। रामलीला का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी आयुष मित्तल पुत्र मुकेश मित्तल ने भगवान गणेश का पूजन कर किया। रामलीला कमेटी के प्रधान मोनू भाटा एवं मनोज निर्मल ने बताया कि रामलीला के प्रत्येक प्रसंग को कलाकारों द्वारा पूरी श्रद्धा और मेहनत के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। रामलीला के प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मंचन के दौरान दिखाया गया कि वनवास के दौरान भगवान श्रीराम और लक्ष्मण आगे बढ़ते हुए शबरी की कुटिया में पहुंचते हैं। शबरी भगवान श्रीराम का श्रद्धापूर्वक स्वागत करती हैं और उनके चरणों में बेर अर्पित करती हैं। इसके बाद श्रीराम और लक्ष्मण आगे की यात्रा पर निकलते हैं। वहीं दूसरी ओर सुग्रीव को दो पुरुष अपनी ओर आते दिखाई देते हैं। उन्हें आशंका होती है कि कहीं उनके भाई बाली ने उन्हें पकड़ने के लिए कोई गुप्तचर तो नहीं भेजा है। सुग्रीव हनुमानजी से उनका पता लगाने के लिए कहते हैं। हनुमानजी ब्राह्मण का भेष धारण कर श्रीराम के पास पहुंचते हैं और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं। श्रीराम अपनी पूरी कथा हनुमानजी को बताते हैं। इसके बाद हनुमानजी दोनों भाइयों को सुग्रीव के पास लेकर आते हैं और श्रीराम एवं सुग्रीव की मित्रता करवाते हैं। श्रीराम के पूछने पर सुग्रीव अपने भाई बाली द्वारा किए गए अन्याय की पूरी कहानी बताते हैं। इसके बाद श्रीराम सुग्रीव को बाली को युद्ध के लिए ललकारने के लिए कहते हैं। सुग्रीव और बाली के बीच भीषण युद्ध होता है। श्रीराम अपने वचन के अनुसार बाली पर बाण चलाते हैं, जिससे बाली धराशायी हो जाता है। मृत्यु के समय बाली अपने पुत्र अंगद का हाथ श्रीराम के हाथों में सौंपते हुए अपने प्राण त्याग देता है। रामलीला मंचन में श्रीराम की भूमिका में नवीन सिंघल, लक्ष्मण की भूमिका में मनोज निर्मल, हनुमान की भूमिका में शुभम सोनी, सुग्रीव की भूमिका में कानिश कोहली, बाली की भूमिका में दीपक कोहली, तारा की भूमिका में अभिषेक सोनी तथा जामवंत की भूमिका में प्रियांशु ने अभिनय किया। इस मौके पर विजय जैन, भगवानदास सैनी, प्रेम गुलाटी, दास महेंद्र निजामपुर, विकास कटारिया, सत्यनारायण भगत, रतनलाल, जोगिंदर, जगदीश बिल्ला, मुकेश शर्मा, बिशन आदि मौजूद थे।



नारनौल। रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

### चांदूवाड़ा रामलीला महोत्सवः राम-सुग्रीव मित्रता का किया मंचन



**नारनौल।** वर्ष 1950 से अपनी अनूठी परंपरा संजोए आ रहे मोहल्ला चांदूवाड़ा स्थित श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट (रजि.) के 77वें ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में शुक्रवार की रात आस्था का एक अनूठा सैलाब उमड़ पड़ा। शहर और दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से पहुंचे रामभक्तों के गगनभेदी जयकारों से संपूर्ण रामलीला प्रांगण गूंज उठा। संरक्षक शंभू दयाल गर्ग के मार्गदर्शन, संस्थापक पं. रेवतीनंदन जी हरित के आशीर्वाद और डॉ. मनोज वर्मा के कुशल निर्देशन में चल रहे इस भव्य आयोजन में दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। मंचन के दौरान कलाकारों ने 'राम-सुग्रीव मित्रता' और 'बाली वध' के रोमांचक व प्रेरणादायक प्रसंगों का जीवंत प्रदर्शन किया। विभिन्न भूमिकाओं में दीपक हरित (राम), अनिल चौहान (लक्ष्मण), तरुण सोनी (हनुमान), जोगेंद्र छल्पाड़िया (सुग्रीव), बलवंत सैनी (बाली), दिनेश सैनी (तारा) और लोकेश सोनी (अंगद) ने अपनी उत्कृष्ट अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

### सीता हरण और जटायु युद्ध के मंचन ने दर्शकों को किया भावुक



**मंडी अटेली।** झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के 11वें दिन सीता हरण, जटायु युद्ध, शबरी भक्ति और नारद-राम संवाद का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला में रावण की भूमिका सुरेश सैनी ने, शबरी की भूमिका मनोज कांवटविया ने, भगवान राम की भूमिका उमेश ने, लक्ष्मण की भूमिका त्रिभुवन ने और माता सीता की भूमिका भविय गोयल ने निभाई। इस अवसर पर समिति सदस्य डॉ. राजकुमार, विपिन गोयल सहित अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में महिलाएं व दर्शक उपस्थित रहे।

### सीता हरण की भावपूर्ण लीला का मंचन, भावुक हुए दर्शक

**महेंद्रगढ़।** श्री रामलीला परिषदके रंगमंच पर अष्टम रजनी में शुक्रवार रात सीता हरण की मार्मिक लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। लीला की शुरुआत पंचवटी में भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण के वनवास से हुई। इसके बाद सूर्पनखा प्रसंग और खर-दूषण वध का दृश्य दिखाया गया। मंचन में राम बने विकास भारद्वाज, लक्ष्मण बने विनय भारद्वाज, सीता बनी राजवन सैनी, रावण बने होशियार सैनी, मारीच बने सज्जन और जटायु बने विक्की प्रजापति ने अपने पात्रों को सजीव कर दिया। वहीं खर चिराग शर्मा, दूषण अरुण खोरीवाल, अत्रि मुनि राहुल गर्ग, मुनि अगस्त्य आवारा, सूर्पनखा डांसर व प्रदीप सैन ने भी उत्कृष्ट अभिनय किया। शबरी की भूमिका में दलीप गोस्वामी ने दर्शकों का मन मोह लिया। लीला के अंत में दर्शकों ने जय श्री राम के जयघोष से पूरे पंडाल को गूंजा दिया। दशकों की भीड़ ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

### निवाजनगर में सीता हरण व बाली वध की लीला का किया मंचन

**नारनौल।** श्रीदुर्गा राम लीला सेवा समिति में सीता हरण व बाली वध की लीला का मंचन किया गया। लीला का शुभारंभ मोनू सरपंच फैजाबाद, सुरेंद्र सैनी सरपंच सलारपुर महता, बीर सिंह नम्बरदार सलारपुर मेहता व मनमोहन सिंह सैनी ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। इसमें रावण का अभिनय शशिकांत वर्मा, सीता का युवराज सैनी, श्रीराम का योगेश सैनी, लक्ष्मण का रवि सैनी, शबरी का पवन कुमार, हनुमान का वीरेंद्र शर्मा, सुग्रीव का कपिल बाली, जामवंत का राहुल स्वामी ने बेखूबी से निभाया। लीला का आखिरी दृश्य हनुमानजी सीता माता की खोज के लिए चले जाते हैं। इस मौके पर पूर्व प्रधान किशनलाल जोशी, नवीन शर्मा, मदन लाल वर्मा, कुलदीप सैनी, कृष्ण सैनी, ईश्वर, मनोज जोशी, कमल सैनी, विनोद वर्मा, कृष्ण सैनी, सुरेंद्र जेई एवं समस्त कमेटी के सदस्य व ग्रामवासी मौजूद है।

### राम-सुग्रीव मित्रता ने मोहा मन

**महेंद्रगढ़।** शहर की श्री आदर्श रामलीला कमेटी के रंगमंच पर रामायण के किष्किंधा कांड के अंतर्गत श्रीराम-सुग्रीव मित्रता और बाली वध का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने दमदार अभिनय और संवाद अदायगी से धार्मिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनोद यादव, अध्यक्ष के रूप में राज सिंह ठेकेदार और विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश यादव उपस्थित रहे। लीला में बाली की भूमिका राहुल और सुग्रीव की भूमिका उनके सगे भाई साहिल ने निभाई। वहीं राम सुरेश गोस्वामी, लक्ष्मण नवीन, हनुमान गोविंद सैनी, जामवंत चेतन यादव, तारा रक्षित यादव और अंगद के रूप में नक्ष ने अपने बेहतरीन अभिनय की छाप छोड़ी। हास्य कलाकार शुभम तिवारी ने अपनी बेजोड़ हास्य कला से माहौल को हंसी और ठहाकों से सराबोर कर दिया। उनकी शानदार कॉमेडी टाइमिंग, चुटीले संवाद और अनूठे अंदाज ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। शुभम ने अपने अभिनय से दर्शकों को खूब हंसाया।





## 'कबाड़ से जुगाड़' प्रदर्शनी में एसडी स्कूल के विद्यार्थियों ने दिखाया जलवा

**कनीना।** सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का का श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कई पुरस्कार अपने नाम किए हैं। इस बारे में विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव नेबताया कि शिक्षा मंत्रालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विभाग के अंतर्गत 'औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन', 'स्वच्छता ही सेवा' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संयुक्त तत्वावधान में 'कबाड़ से जुगाड़ एवं कबाड़ से कला' प्रदर्शनी, अपशिष्ट प्रबंधन कार्यशाला तथा सफाई मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अनुपयोगी सामग्री के उपयोग से वर्किंग प्रोजेक्ट और मॉडल प्रस्तुत कर 'वेस्ट टू बेस्ट' की सोच को साकार किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर प्रेजेंटेशन में समर, हार्दिक व चिराग ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रोजेक्ट में यश, चिराग और रितिक की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी श्रेणी में छात्र रजत, यश और उमेद की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 11वीं की खुशी, दीक्षा, जिया तथा कक्षा 9वीं की भूमिका और दिव्या की टीम ने सराहनीय प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान अर्जित किया।

# आरपीएस में हुई रंगताली डांडिया नाइट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

आरपीएस स्कूल में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में भव्य डांडिया नाइट 'रंगताली' का आयोजन बेहद धूमधाम, गरिमा और हर्षोल्लास के साथ किया गया। देर शाम तक चले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में गुजराती गानों की मधुर धुनों और पारम्परिक परिधानों से सजा प्रांगण एक अलौकिक उत्सव के रूप में नजर आया। रंगताली में अतिथियों का स्वागत चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. पायल चंदेल ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका की वाइस चेयरमैन मंजू कौशिक, पूर्व चेयरमैन रीना गर्ग, प्रो. रेनू व अध्यक्षता चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने की। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि विद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक संवर्धन की भी एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है। वहीं, ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि एकजुटता, अनुशासन और कलात्मकता का ऐसा संगम ही आरपीएस ग्रुप की वास्तविक पहचान और शक्ति है।



महेंद्रगढ़। डांडिया खेलते हुए। फोटो : हरिभूमि

### ये रहे विजेता

गरबा क्वीन ऑफ द नाइट का खिताब शिवानी, वर्षा, द डांडिया मेस्ट्रो का टाईटल पलक अग्रवाल, मोनिका दिवान, द कलरफुल पर्सनालिटी का खिताब पूनम शर्मा, किरण व द ट्रेडिशनल एलिगेंश का अवार्ड पूनम व कविता के नाम रहा। अंत में विजेताओं को चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी, उप प्राचार्य दिनेश कुमार, विंग हैंड जिले सिंह, साक्षी मलिक, अनिता अहलावत, राजकुमार व राज सिंह ने पुरस्कृत किया।

## न्यूज डायरी



### एमआर स्कूल में की माता रानी की पूजा-अर्चना

**नारनौल।** एमआर पब्लिक स्कूल में नवरात्रि के पावन अवसर पर माता रानी की पूजा-अर्चना एवं डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण और मां दुर्गा के जयकारों से गूंज उठा। विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सजकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने आकर्षक डांडिया नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक दिखाई। विद्यालय के चेयरमैन ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, धार्मिक मूल्यों, आपसी प्रेम, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं का सम्मान करने तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

### बचपन स्कूल में मनाया वर्ल्ड फूड डे



**महेंद्रगढ़।** स्थानीय मौदाश्रम मंदिर के सामने मोहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल के प्रांगण में वर्ल्ड फूड डे मनाया गया, जबकि श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा नवरात्रि उत्सव के मद्देनजर मां दुर्गा की भक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। वहीं दूसरी ओर श्री ओम साईंराम स्कूल के बच्चों द्वारा नवरात्रि महोत्सव के मद्देनजर मां दुर्गा की भक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एकल नृत्य, समूह नृत्य, नाटक आदि पेश किए। इस अवसर पर चेयरमैन रमेश सैनी, चेयरपर्सन निशा सैनी, एमडी कुलदीप सैनी, प्राचार्या शालिनी गोयल, प्राचार्या मोनिका दीवान, बचपन हेड पूनम गोस्वामी एवं प्रवक्ता अमरसिंह सोनी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ व बच्चे भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

### यदुवंशी कॉलेज में मनाया डांडिया महोत्सव

**महेंद्रगढ़।** यदुवंशी डिग्री कॉलेज डांडिया महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा, उत्साह तथा सांस्कृतिक कला का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे महोत्सव के दौरान कॉलेज का वातावरण उल्लास, उमंग और भारतीय संस्कृति के रंगों से सराबोर नजर आया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि भारत विविधताओ से भरा हुआ देश है, जहां प्रत्येक त्योहार और सांस्कृतिक आयोजन अपने साथ कोई ना कोई संदेश लेकर आता है। मौके पर संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, सीईओ तनिष राव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉ. प्रदीप यादव व कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारती है।



## ग्रामीणों ने विधायक सहित बिजली निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों का जताया आभार

# पांच गांवों के किसानों की बिजली समस्या से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के पांच गांवों के किसानों के लिए लंबे समय से बनी बिजली की समस्या का समाधान हो गया है। विधायक कंवर सिंह यादव के प्रयासों से बिजली विभाग ने बवानिया गांव से आ रही बिजली लाइन पर निर्भर गांवों को देवास स्थित नए बिजली पावर हाउस से जोड़ने की दिशा में कार्य करते हुए देवास से मेघनवास चौक तक करीब तीन किलोमीटर लंबी नई बिजली लाइन बिछाने का काम पूरा कर दिया है। इस कार्य के पूरा होने के बाद किसानों को पर्याप्त बिजली और बेहतर वोल्टेज मिलने लगी है। इससे क्षेत्र के किसानों ने राहत की सांस ली है।

ग्रामीणों के अनुसार पहले इन पांच गांवों के किसानों को बवानिया गांव से बिजली आपूर्ति की जाती थी। इस लाइन के माध्यम से पर्याप्त बिजली नहीं मिल पाने और कम वोल्टेज की समस्या के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कम वोल्टेज के चलते कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे और किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने में भी दिक्कतें आती थीं। किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए विधायक कंवर सिंह यादव ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत की।



महेंद्रगढ़। एपी फीडर बुचौली को चालू करते एसडीओ। फोटो : हरिभूमि

### तीन किलोमीटर लंबी बिजली लाइन बिछाने का कार्य पूरा

विभागीय अधिकारियों ने अपने आश्वासन पर अमल करते हुए एसडीओ विकास यादव और संबंधित ठेकेदार के सहयोग से देवास से मेघनवास चौक तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी बिजली लाइन बिछाने का कार्य निर्धारित समय में पूरा कर दिया। इस दौरान बिजली के खंभे लगाने और तार खींचने का कार्य तेजी से किया गया। अब इस नई व्यवस्था से किसानों को बिजली आपूर्ति में सुधार का लाभ मिलना शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले बिजली लाइन में 30 एमएम के तार लगाए गए थे, जबकि अब उनकी जगह 80 एमएम के तार लगाए गए हैं। इससे बिजली आपूर्ति की क्षमता बढ़ाने और किसानों को बेहतर वोल्टेज उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। लंबे समय से चली आ रही समस्या का कम समय में समाधान होने से किसानों में खुशी का माहौल है। इस सराहनीय कार्य के लिए ग्राम पंचायत और सामाजिक संगठनों से जुड़े सदस्यों रामनिवास पाटोदा, डॉ. धर्मेंद्र, राजू, राकेश धोलिया, वीरेंद्र, सुरेंद्र, महिपाल, छाजू सहित अन्य ग्रामीणों ने विधायक कंवर सिंह यादव का आभार व्यक्त किया।

# महेंद्रगढ़ में 5 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम

- नगर पालिका ने बजट मंजूरी के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव, बैडमिंटन कुश्ती, कबड्डी समेत कई खेलों के लिए सुविधाएं विकसित करने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में खेल सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में नगर पालिका महेंद्रगढ़ ने महत्वपूर्ण पहल की है। शहर में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। नगर पालिका की ओर से बजट मंजूरी के लिए प्रस्ताव सरकार को भेज दिया गया है। अब परियोजना के लिए बजट स्वीकृति और आवश्यक तकनीकी मंजूरियों का इंतजार है। प्रस्तावित स्टेडियम का लाभ महेंद्रगढ़ शहर के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों और युवाओं को भी मिलने की उम्मीद है। आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होने से खिलाड़ियों को अभ्यास, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहतर वातावरण मिल सकेगा। इससे विभिन्न खेलों में प्रतिभा रखने वाले युवाओं को अपनी क्षमता निखारने का अवसर मिलने की संभावना है।

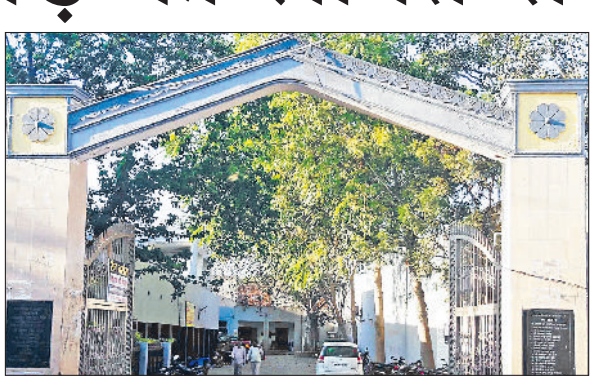

महेंद्रगढ़। नगर पालिका का मुख्यद्वार। फोटो : हरिभूमि

## बजट मंजूरी के बाद आगे बढ़ेगी प्रक्रिया

नगर पालिका की ओर से प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है, इसलिए फिलहाल इसे प्रस्तावित परियोजना के रूप में ही देखा जा रहा है। अभी बजट स्वीकृति, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, तकनीकी मंजूरी और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होना बाकी हैं। बजट स्वीकृत होने के बाद ही निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी।

## खिलाड़ियों के लिए हर तरह की सुविधा होगी उपलब्ध

प्रस्ताव के तहत इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती, कबड्डी, बॉक्सिंग, जूडो, ताइक्वांडो, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल जैसे खेलों के लिए सुविधाएं विकसित करने पर विचार किया गया है। इसके अलावा योग, फिटनेस, शतरंज और कैरम जैसी गतिविधियों के लिए भी स्थान उपलब्ध करवाने की योजना है। हालांकि, कौन-कौन से खेलों के लिए कितनी सुविधाएं विकसित होंगी, यह अंतिम स्वीकृत नक्शे, उपलब्ध जगह, बजट और तकनीकी मानकों के आधार पर तय होगा। खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए जिम और फिटनेस सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित करने की संभावना भी प्रस्ताव में रखी गई है। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम, शौचालय, स्नानघर, लॉकर, प्रशिक्षकों के लिए कक्ष और प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को भी परियोजना में शामिल किए जाने पर विचार किया जा सकता है।

## प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी उपयोगी होगा

इंडोर स्टेडियम को केवल खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास तक सीमित रखने के बजाय भविष्य में स्थानीय और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिहाज से भी विकसित करने की योजना है। इसके लिए दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त प्रकाश, वेंटिलेशन, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक खेल उपकरणों पर ध्यान दिया जाएगा। अंतिम परियोजना रिपोर्ट में जगह और बजट के अनुसार अन्य सुविधाओं का प्रावधान भी किया जा सकता है। आधुनिक खेल परिसर तैयार होने पर खिलाड़ियों को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद नियमित अभ्यास का अवसर मिल सकेगा। विशेष रूप से इंडोर खेलों से जुड़े खिलाड़ियों के लिए ऐसी सुविधा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

## खेल सुविधाओं का विस्तार युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण



नगर पालिका महेंद्रगढ़ के प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि शहर में खेल सुविधाओं का विस्तार युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार से आवश्यक बजट स्वीकृति मिलने के बाद परियोजना को आगे बढ़ाया जा सकेगा। अत्याधुनिक इंडोर स्टेडियम बनने से महेंद्रगढ़ और आसपास के खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रशिक्षण के लिए बेहतर मंच मिलने की उम्मीद है।

## खबर संक्षेप

### सरकार विकास को लेकर समर्पितः प्रो. शर्मा

**महेंद्रगढ़।** भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। पिछले दो वर्षों में प्रदेश सरकार ने सुशासन, पारदर्शिता, जनकल्याण और विकास को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार की नीतियों का उद्देश्य किसान, व्यापारी, युवा, गरीब, श्रमिक, महिला तथा आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार लाना है।



### एआई के दौर में दफ्तर की डिजिटल सुरक्षा भी जरूरी

**नारनौल।** जिला पुलिस ने एआई आधारित साइबर खतरों के प्रति आमजन तथा जिले के सरकारी एवं निजी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को सतर्क रहने की अपील की है। कामकाज में डिजिटल सुविधाओं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते समय संस्थान के रिकॉर्ड तथा नागरिकों की निजी जानकारी की सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। भारत सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन ने हालिया एडवाइजरी में एआई एजेंटों के माध्यम से भारतीय संस्थानों के सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच की घटनाओं के प्रति आगाह किया है।

## सैनीपुरा में विधायक ने किया शुभारंभ

# 48 लाख की लागत से बन रहा आधुनिक नाला

- जल निकासी की व्यवस्था सही नहीं होने की वजह से स्थानीय लोग लंबे समय से झेल रहे थे समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के मोहल्ला सैनीपुरा के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लगभग 48 लाख रुपये की लागत से बनने वाले आधुनिक नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ विधायक कंवर सिंह यादव ने नारियल फोड़कर किया।

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि मोहल्ला सैनीपुरा में बरसाती पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थानीय निवासियों को लंबे समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलभराव के कारण गलियों एवं आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता था, जिससे आमजन, बुजुर्गों, महिलाओं तथा स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी कठिनाइयां होती थीं। प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि लगभग 48 लाख रुपये की लागत से आधुनिक नाले का निर्माण करवाया जाएगा।

नाले का निर्माण पूरा होने के बाद उसके ऊपरी हिस्से पर टाइलें भी लगाई जाएंगी, जिससे पानी की निकासी के साथ-साथ रास्ते की सुविधा और स्वच्छता व्यवस्था में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि मोहल्ला सैनीपुरा के निवासियों द्वारा काफी समय से इस नाले के निर्माण की मांग की जा रही थी, स्थानीय लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए इस कार्य को प्राथमिकता दी गई है।



महेंद्रगढ़। नारियल फोड़कर शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## उच्च गुणवत्ता की सामग्री लगाने के निर्देश

नगर पालिका प्रधान ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि नाला निर्माण में उच्च गुणवत्ता की सामग्री का प्रयोग किया जाए तथा कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान पानी के उचित बहाव, नाले की सफाई और भविष्य में रखरखाव की सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रधान रमेश सैनी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क निर्माण, नाला निर्माण, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शहर की पुरानी समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान करना नगर पालिका की प्राथमिकता है। इस मौके पर वार्ड पार्षद सीमा सैनी, पार्षद देवेंद्र सैनी, हरिराम खन्ना, कमल सैनी, कैलाश सैनी, डॉ. रवि सैनी, होशियार सैनी, डॉ. राज, मंडल अध्यक्ष संदीप बचीनी सहित अनेक स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

### भोजावास स्कूल को एक शिफ्ट में करने की मांग

**नारनौल।** प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो बसपा नेता अतरलाल ने गांव भोजावास स्थित राजकीय पीएमश्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को एक पारी (वन-शिफ्ट) में चलाने की मांग की। अतरलाल ने ई-मेल से डीईओ की मार्फत माध्यमिक स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक को भेजे ज्ञापन में उक्त मांग उठाई है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि शिक्षा विभाग ने 15 दिन के अंदर विद्यालय में एक पारी शुरू नहीं की तो अभिभावकगण और ग्रामवासी गांव में स्थापित डा. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना देने पर मजबूर होंगे। अतरलाल ने इस संबंध में बताया कि उन्हें भोजावास गांव के गणमान्यों से शिकायत मिली थी। शिकायत थी कि उनके गांव के विद्यालय में दोहरी पारी के कारण छात्र-छात्राओ को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। दूसरी पारी में छुट्टी देर से होने के कारण दूर-दराज के कुओं तथा ढ़ाणियों में रहने वाले बच्चों को घर लौटने में दिक्कत होती है।

# महेंद्रगढ़ में मनेगा जेजेपी का 9वां स्थापना दिवस

- 6 दिसंबर को गूंजेगा जेजेपी का शंखनाद, अहीरवाल में भाजपा के राजनीतिक गढ़ को तोड़ने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जननायक जनता पार्टी की राष्ट्रीय एवं जिला कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को सोनीपत में हुई थी। बैठक के दौरान महेंद्रगढ़ जिला के प्रधान राजकुमार खातोद ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला के समक्ष पार्टी का नौवां स्थापना दिवस छह दिसम्बर को महेंद्रगढ़ की धरती पर मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस पर सर्वसम्मति से सहमति बनी।

इस निर्णय के बाद अब स्थानीय पार्टी पदाधिकारी रैली स्थल को लेकर रूपरेखा बनाने लगे है। उनका प्रयास है कि 152डी के आस पास जगह हो, ताकि प्रदेशभर से पार्टी कार्यकर्ता आसानी से इसी 152डी सड़क मार्ग से पहुंच सके।

## कार्यक्रम से पार्टी को मिलेगी मजबूती

जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने कहा कि भाजपा अहीरवाल को अपना राजनीतिक गढ़ मानकर चलती है, लेकिन अब इस क्षेत्र में जेजेपी मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएगी। उन्होंने कहा कि अहीरवाल किसी एक राजनीतिक दल की जागीर नहीं है। यहां की जनता बदलाव की ताकत रखती है और जेजेपी कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा के इस कथित राजनीतिक गढ़ को चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ में स्थापना दिवस का आयोजन पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा करेगा और अहीरवाल में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि जेजेपी का उद्देश्य केवल राजनीतिक कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि जननायक चौधरी देवीलाल की जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाना और किसानों, युवाओं, गरीबों तथा आम नागरिकों की आवाज को बुलंद करना है। जिला मीडिया प्रभारी विजय छिलरो का कहना है कि छह दिसंबर को महेंद्रगढ़ की धरती पर होने वाला स्थापना दिवस समारोह अहीरवाल में जेजेपी की संगठनात्मक ताकत और राजनीतिक संकल्प को प्रदर्शित करेगा।

# नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने पर होगी कार्रवाई

- नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को नियमानुसार किया जाएगा इम्पाउंड
- हरियाणा डीजीपी अजय सिंघल के निर्देशों की अनुपालना में एसपी दीपक कुमार ने विशेष अभियान के तहत प्रभावी वाहन जांच के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के निर्देशानुसार एचएसआरपी नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध चलाए जाने वाले विशेष अभियान को लेकर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने जिले के सभी थाना प्रभारियों एवं यातायात पुलिस को प्रभावी वाहन जांच के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत बिना नंबर प्लेट, निर्धारित मानकों के अनुरूप हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) नहीं लगाने, नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने तथा वाहन का पंजीकरण नंबर छिपाने वाले वाहनों की जांच कर नियमानुसार इम्पाउंड करने की कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान अनधिकृत, छेड़छाड़ की गई, ढकी हुई, धुंधली अथवा अस्पष्ट नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष नजर रखी जाएगी। नंबर प्लेट पर टेप, स्टीकर या अन्य सामग्री लगाकर अक्षर अथवा अंक छिपाने और पंजीकरण नंबर को इस प्रकार प्रदर्शित करने, जिससे वाहन की सही पहचान करने में कठिनाई हो, जैसी अनियमितताओं की भी जांच की जाएगी। ऐसे मामलों में लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार वाहन इम्पाउंड करने की कार्रवाई की जाएगी।

## मानकों के अनुरूप एचएसआरपी अनिवार्य



पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान नंबर प्लेट संबंधी अनियमितताओं पर नियमानुसार कार्रवाई के साथ वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक भी किया जाए। वाहन मालिक यह सुनिश्चित करें कि उनके वाहन पर निर्धारित मानकों के अनुरूप एचएसआरपी लगी हो और पंजीकरण नंबर साफ एवं आसानी से पढ़ने योग्य हो। नंबर प्लेट क्षतिग्रस्त होने अथवा अक्षर व अंक अस्पष्ट होने पर उसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बदलवाएं। नंबर प्लेट पर ऐसी कोई सामग्री न लगाएं, जिससे वाहन का नंबर आंशिक अथवा पूर्ण रूप से छिप जाए। उन्होंने आमजन से कहा है कि अपने वाहनों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाएं और नंबर प्लेट को हमेशा साफ एवं स्पष्ट रखें। यातायात नियमों का पालन स्वयं तथा दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए करें। जिम्मेदार वाहन चालक बनें और सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने में महेंद्रगढ़ पुलिस का सहयोग करें।



नारनौल। चिकित्सक टीम का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

# विश्व स्तन कैंसर माह पर लगा स्क्रीनिंग कैंप, 82 ने उठाया लाभ

**नारनौल।** रोटरी क्लब नारनौल सिटी, रोटरी क्लब नारनौल बेलाज व जयपुर की राधिका-चंदन हेल्थकेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्तन कैंसर जागरूकता माह के उपलक्ष्य में अग्रवाल नर्सिंग होम में निःशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग कैंप लगाया गया। कैंप में गुरुग्राम से आई अत्याधुनिक मैमोग्राफी वैन के माध्यम से 20 महिलाओं की स्तन कैंसर की जांच की गई। वहीं प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विदुषी मित्तल शर्मा ने महिलाओं के गर्भाशय कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) की निःशुल्क स्क्रीनिंग की और पैप स्मीयर जांच भी निःशुल्क की गई। इसके अलावा ईएनटी विशेषज्ञ डॉ विकास यादव ने मुंह व गले के कैंसर की निःशुल्क जांच की गई। इस दौरान बॉम्बे हॉस्पिटल जयपुर के प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुयश पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर में आए सभी कैंसर रोगियों को निःशुल्क परामर्श दिया। शिविर में कुल 82 मरीजों को लाभ पहुंचा। रोटरी प्रधान गोपाल मित्तल ने अस्पताल, रोटरी क्लब और राधिका-चंदन फाउंडेशन के इस पुनीत कार्य की भूरी-भूरी सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर डॉ. विदुषी मित्तल शर्मा ने कहा कि यदि स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर का पता प्रारंभिक अवस्था में ही चल जाए तो इसका 100 प्रतिशत इलाज संभव है। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला को नियमित रूप से मैमोग्राफी और पैप स्मीयर जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके। इस मौके पर विवेक अग्रवाल, प्रवीण संघी, हितेंद्र शर्मा, विनोद चौधरी, नरेश गोगिया, हितेंद्र मित्तल, विनय मित्तल, राज सुनेश यादव, संगीता शर्मा आदि मौजूद रहे।

# दीपावली व छठ पर्व पर राजस्थान–हरियाणा को मिल सकती हैं 6 साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें

- बीकानेर मंडल ने जयपुर जोन को मंजूरी के लिए भेजा है प्रस्ताव, महेंद्रगढ़ रूट को भी मिलेंगी तीन स्पेशल ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल ने छह साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाने का प्रस्ताव तैयार किया है। इन ट्रेनों के संचालन से राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रस्ताव को मंडल रेल प्रबंधक के अनुमोदन के बाद रेलवे बोर्ड की स्वीकृति और संबंधित रेलवे की सहमति के लिए भेजा गया था।

उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक की ओर से छह अगस्त को पत्र जारी था कि इन स्पेशल ट्रेनों के संचालन का प्रस्ताव रखा गया था। इसमें यात्रियों की सुविधा के साथ कोचिंग टर्मिनल, ट्रेनों के संचालन मार्ग, रखरखाव और बिजली से संबंधित व्यवस्थाओं की संभावनाओं को भी ध्यान में रखा गया है।

## इन छह ट्रेनों का प्रस्ताव

प्रस्ताव के अनुसार, पहली ट्रेन बीकानेर से दरभंगा के बीच वाया चूरू, रेवाड़ी और दिल्ली चलाई जा सकती है। दूसरी ट्रेन बीकानेर से सहरसा के बीच वाया चूरू, रेवाड़ी और दिल्ली संचालित करने का प्रस्ताव है। तीसरी ट्रेन हिसार से बेंगलुरु के बीच प्रस्तावित है। इसका मार्ग जयपुर, अजमेर, अहमदाबाद, वसई रोड, पुणे और हुबली से होकर निर्धारित करने का सुझाव दिया गया है। चौथी ट्रेन श्रीगंगानगर से हावड़ा के बीच वाया बठिंडा, हिसार, डोभमाली, दिल्ली, अयोध्या और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन चलाने का प्रस्ताव है। पांचवीं ट्रेन हनुमानगढ़ से हावड़ा के बीच वाया सादुलपुर, दिल्ली, अयोध्या और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन प्रस्तावित है। छठी ट्रेन हनुमानगढ़ से तिरुवनंतपुरम के बीच वाया सादुलपुर, रतनगढ़, डेगाना, मारवाड़, आनंद, वसई रोड, पुणे, हुबली, कन्नूर और त्रिशूर संचालित करने का सुझाव दिया गया है। रेलवे की ओर से इन ट्रेनों का संचालन प्रस्तावित है, लेकिन अभी इन्हें अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। रेलवे बोर्ड और संबंधित रेलवे की सहमति मिलने के बाद ही संचालन की तारीख, समय-सारिणी और अन्य विवरण स्पष्ट होंगे। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो त्योहारों के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिल सकती है। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने रेलमंत्री से मांग की है कि इन छह ट्रेनों को जल्दी से जल्दी चलाया जाए।



## विधायक ने खेतों में पहुंचकर लिया जायजा

**महेंद्रगढ़।** सरसों की खेती को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में महेंद्रगढ़ जिले में नई पहल की जा रही है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से सरसों की फसल में यूरिया के विकल्प के रूप में ग्रीन अमोनिया के उपयोग को लेकर किसानों के खेतों में प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। शनिवार को विधायक कंवर सिंह यादव ने गांव पालड़ी पनिहारा के खेतों में पहुंचकर इन प्रदर्शनों का जायजा लिया और कृषि वैज्ञानिकों से इस तकनीक की उपयोगिता एवं संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। विधायक कंवर सिंह यादव ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल तथा कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया। उन्होंने ग्रीन अमोनिया की उपयोगिता, सरसों की फसल में नाइट्रोजन की पूर्ति में इसकी भूमिका तथा किसानों को इससे होने वाले संभावित लाभों के बारे में जानकारी ली। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। किसानों को ऐसी तकनीकों से जोड़ना जरूरी है, जिनसे खेती की लागत कम करने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने की संभावनाएं विकसित हों।

## 1989 में हुआ था पुरानी गुमटी का निर्माण, 35 साल तक रही सुरक्षित

# लापरवाही : अग्रसेन चौक की नई गुमटी गिरी

- 13.76 लाख खर्च कर किया गया था नवीनीकरण मरम्मत शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर में महाराजा अग्रसेन चौक पर अग्रसेन प्रतिमा के ऊपर बनी छतरी की गुमटी गिर गई है। ऐसे में इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ गया है। हैरानी की बात है कि पुरानी गुमटी साल 1989 में स्थापित की गई थी, वह 35 साल तक सुरक्षित रही। अब जो नई गुमटी लगाई गई है, वह गिर गई है। हाल ही में महाराज अग्रसेन जयंती को लेकर जल्दबाजी में इसे तैयार किया गया था। गुमटी गिरने के बाद हरकत में आए नगर परिषद प्रशासन ने दोबारा इसे दुरूस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। यहां रहने वाले लोगों के अनुसार पुरानी गुमटी साल 1989 से पहले तत्कालीन अध्यक्ष स्वर्गीय लाला ओमप्रकाश गुप्ता दादरी वाले के नेतृत्व में लगवाई गई थी। यह करीब 35 साल तक सुरक्षित रही और कभी नहीं हिली। कुछ माह पहले वैश्य समाज के प्रतिनिधियों ने निकास मंत्री विपुल गोयल से इस चौक के सौंदर्यीकरण की मांग रखी थी। योजना के तहत 13.76 लाख का बजट तैयार किया गया। इस राशि में धौलपुर के पत्थरों से चौक की चारदीवारी तैयार करने, प्रतिमा के ऊपर पत्थरों की छतरी तैयार करने और फव्वारे व रंग बिरंगी लाइटें लगाने की योजना शामिल है।





नारनौल। महाराजा अग्रसेन मूर्ति के ऊपर उखड़ी हुई गुमटी। शनिवार को मजदूर दोबारा गुमटी लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

## सोशल मीडिया पर चर्चा के बाद हरकत में आए

महाराज अग्रसेन चौक के सौंदर्यीकरण को लेकर काम जोरों पर है। शनिवार जब इस चौक की गुमटी गिरने की चर्चा सोशल मीडिया पर शुरू हुई तो नगर परिषद प्रशासन ने आनन फानन में गुमटी को दोबारा स्थापित करने की कार्रवाई शुरू कर दी। लोगों का कहना था कि सड़क या अन्य निर्माण कार्यों में तो बजट ज्यादा व धरातल पर कम खर्च की चर्चा नगर परिषद में आम बात है लेकिन समाज से जुड़े चौराहों के सौंदर्यीकरण पर तो कम से कम पूरा पैसा खर्च करना चाहिए। अब हर आदमी जागरूक है, सब बातों को समझता है।

## पूजन-पाठ एवं शिक्षा शिविर आज से

**नारनौल।** शहर में धर्म, संस्कार एवं आध्यात्मिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18 से 25 अक्टूबर तक पूजन-पाठ एवं शिक्षा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज से दीक्षित आचार्य श्री 108 आर्जव सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 महात सागर जी महाराज, मुनि श्री 108 विमोर सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सानंद सागर जी महाराज के सानिध्य में नलापुर स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मे होगा। शिविर का आयोजन ब्रह्मचारिणी दीदी चेतना जी एवं ब्रह्मचारी भैया डॉ. विजय जी जैन द्वारा किया जाएगा। शिविर का शुभारंभ 18 अक्टूबर को प्रातः 5:30 बजे होगा। इसका समापन 25 अक्टूबर को किया जाएगा। शिविर के दौरान बच्चों एवं बड़ों को पूजन-पाठ, धार्मिक संस्कार, धर्म एवं आध्यात्मिक विषयों से संबंधित शिक्षा प्रदान की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005